इंडिया न्यूट्रिशन कोलैबरेटिव ने की पोषण इनोवेशन प्लेटफॉर्म लॉन्च करने की घोषणा

लखनऊ। इंडिया न्यूट्रिशन कोलैबरेटिव ने आज भारत सरकार मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय के साथ मिलकर पोषण उपलब्ध कराने की सेवाओं को मज़बूती देने के लिए पोषण इनोवेशन प्लेटफॉर्म (पीआईपी) की शुरुआत करने की घोषणा की। इसका उद्देश्य अंतिम छोर पर मौजूद माताओं और पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों के पोषण के स्तर में सुधार करना है। प्लेटफॉर्म शैक्षणिक संस्थानों, स्टार्ट-अप, यूनिवर्सटी इंक्यूबेटर, सिविल सोसाइटी नेटवर्क और देश के कारोबारों को अपने शानदार इनोवेशन को अवधारणा के प्रमाण के साथ लोगों के सामने लाने के लिए मंच उपलब्ध कराएगा। यह प्लेटफॉर्म मार्गदर्शन, सीड फंडिंग और निवेश के अवसर उपलब्ध कराएगा, ताकि इन

इनोवेशन को सफलतापूर्वक विस्तार दिया जा सके। पीआईपी की शुरुआत द कैटलिस्ट 2030, इंडिया न्यूट्रिशन कोलैबरेटिव, अकादमिक क्षेत्र, कारोबारों, सरकार और सिविल सोसाइटी के संगठनों और लोगों के नए और बढ़ते समूह ने मिलकर की है जो अच्छी सेहत व देखभाल और भूख की समस्या को कम करने के लिए काम कर रहे हैं। नॉलेज पार्टनर के तौर पर जुड़े भारत सरकार के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय के समर्थन के साथ-साथ विटामिन एंजेल्स, जेएचपीआईईजीओ, ट्रांसफॉर्म रुरल इंडिया (टीआरआई), यूनिसेफ इंडिया जैसे आईएनसी सदस्य संगठनों और सार्वजनिक स्वास्थ्य पोषण के क्षेत्र में काम करने वाले डॉ. राजन शंकर और डॉ. स्मृति पाहवा जैसे जाने-माने पोषण विशेषज्ञों के साथ प्लेटफॉर्म पूरे देश में ऐसे इनोवेशन को बढ़ावा देता है जिनमें अंतिम पायदान पर मौजूद पोषण की समस्याओं का सामना कर रही माताओं और पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों के पोषण के स्तर में बदलाव करने की क्षमता रखता है। युवाओं के बीच स्टंटिंग एंड वेस्टिंग (उम्र के हिसाब से वज़न और कद का अनुपात) के स्तर को कम करने और प्रजनन योग्य आयु समूह की महिलाओं में एनीमिया के मामलों को कम करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए, प्लेटफॉर्म लैंगिक समानता, डिजिटल समानता, बाज़ार में समानता और पोषण की चाह रखने वाले व्यवहार को बढ़ावा देने के क्षेत्र में इनोवेशन को गति देगा। ऐसे बहुआयामी प्रयासों से पीढ़ीगत गरीबी को खत्म करने और ग्रामीण भारतीयों को समान अवसर उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। चुने गए इनोवेशन के समूह में से आठ इनोवेशन को चुना जाएगा जिसका निर्णय विभिन्न क्षेत्रों से आने लोगों के साथ बनाया गया निर्णायक मंडल करेगा। जिन इनोवेशन के पास क्रियान्वयन के साथ अवधारणा का प्रमाण, स्थायित्व से जुड़े प्रमाण, प्रभाव और अंतिम पायदान तक डिलिवरी करने का प्रमाण होगा, वे 3 करोड़ रुपये के पीआईपी ग्रांट चैलेंज ट्रस्ट फंड के माध्यम से वित्तीय मदद और मार्गदर्शन प्राप्त कर सकेंगे। ऐसे इनोवेशन जो पीआईपी ग्रांट चैलेंज के अंतर्गत मदद नहीं पा सकेंगे, उन्हें पोषण इनोवेटर्स नेटवर्क (पीआईएन) के माध्यम से मार्गदर्शन और लर्निंग प्रोग्राम उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि उन्हें अगले चरण के लिए तैयार किया जा सके।